

REGISTERED No. D-(D)-72

अस्रकारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सम्ब 3—उपसम्ब (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकासित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 555]

मई विल्ली, ज्ञानिचार, दिसम्बर 31, 1977/पौच 10, 1899

No. 555]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977/PAUSA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संत्रना दी जाती हैं जिससे कि वह असग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)
(Office of the Controller of Capital Issues)
NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December 1977

- S.O 863(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, namely:—
- 1 (1) This order may be called the Capital Issues (Exemption) Second Amendment Order, 1977
- (ii) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2 In the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, in sub-clause (iv) of clause 4, for the words and letters "the State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra Ltd", the words, brackets, figures and letters "the financial institutions notified under sub-clause (i) of clause (a) and clause (c) of sub-section (1) of section 9 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964)" shall be substituted.

 $[N_0 S. 3(2)-CCI(II)/77]$

A. V. GANESAN, Controller of Capital Issues.

वित्त मंत्रास्का

(श्राचिक कार्य किशाग)

(पूंजी निर्मेम नियंजक का काम्राज्य)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1977

का॰ ग्रा॰ 863 (ग्र) - पूंजी निर्गमन (नियंत्रक) ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 29) की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पूंजी निर्गमन (छूट) श्रादेण, 1969 को ग्रागे ग्रीर संशोधित करने के लिए निम्नलिखित श्रादेण करती है, अर्थात् —

- 1. (i) इस भ्रादेश का नाम पूंजी निर्गमन (छूट) द्वितीय संशोधन श्रादेश, 1977 होगा ।
 - (ii) यह शासकीय राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होगा।
 - 2. पूजी निर्गमन (छूट) ध्रादेश, 1969 के खण्ड 4 के उपखण्ड (iv) मे ---

"वी स्टेट इडस्ट्रियल एण्ड इनवस्टमेट कारपोरेशन भ्राफ महाराष्ट्र लिमिटेड" शब्दो, भ्रक्षरो के स्थान पर निम्नलिखित शब्द कोष्ठक, भ्रक भ्रौर भ्रक्षर रखे जायेगे, भ्रर्थात —

"भारतीय श्रीद्योगिक विकास बेक श्रिधिनियम, 1964 का 18 की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) और खण्ड (ग) के भ्रन्तर्गत श्रिधसूचित वित्तीय संस्थाएं "।

[सं० एस० 3(2)—सी० सी० श्राई० (11)/77] ए० बी० गणेशन, पुजी निर्गम नियंत्रक 1